

कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल
सेमेस्टर पाठ्यक्रम (बी.ए.)
भारतीय संगीत शास्त्र
कंठ संगीत
सत्र: 2019-2020 से प्रभावी

Semester system course structure:

- 1.The course work shall be divided into six semesters with two papers in each semester.
- 2.Each paper in a semester will be of **50 marks** out of which **35 marks** for theory and **15 marks** are allotted for internal assessment (written test or assignments or both)
- 3.Each theory paper shall consists of **section A:** (Five questions, any Three have to be attempted with short answer), **section B:** (Two long answer type questions will have to be attempted.)
- 4.Question paper shall cover the whole syllabus.
- 5.Practical in each semester will be of total **50 marks**.
- 6.Practical examination will be evaluated by both external and internal examiner.

महत्वपूर्ण निर्देश:- भारतीय संगीत शास्त्र (कंठ संगीत) के विद्यार्थियों के लिए दो सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र एवं एक प्रयोगात्मक (क्रियात्मक) परीक्षा अनिवार्य है।

- | | | |
|----|---|---------------|
| 1. | सैद्धान्तिक प्रथम प्रश्न पत्र - संगीत विज्ञान | पूर्णांक - 50 |
| | • सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र | अंक - 35 |
| | • आन्तरिक मूल्यांकन | अंक - 15 |
| 2. | सैद्धान्तिक द्वितीय प्रश्न पत्र - रागों एवं तालों का अध्ययन | पूर्णांक - 50 |
| | • सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र | अंक - 35 |
| | • आन्तरिक मूल्यांकन | अंक - 15 |
| 3. | क्रियात्मक परीक्षा - | पूर्णांक - 50 |
| | • प्रथम क्रियात्मक परीक्षा | अंक - 35 |
| | • द्वितीय क्रियात्मक परीक्षा - मौखिक | अंक - 15 |

भारतीय संगीत शास्त्र
कंठ संगीत
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर सत्र: 2019- 2020 से प्रभावी

प्रथम प्रश्न पत्र- संगीत विज्ञान

पूर्णांक – 50

अंक – 35

1. अधोलिखित विषयों का ज्ञान- श्रुतियाँ भरत के स्वर स्थान, सोमनाथ और भातखण्डे द्वारा विभिन्न श्रुतियों पर स्थापित सप्तक के स्वर स्थान।
2. पं अहोबल और श्रीनिवास द्वारा वीणा पर स्वर स्थापन के सिद्धान्त।
3. सप्तक के विभिन्न स्वरों में सांगीतिक स्वरान्तर, मेजरटोन, माइनर टोन, सेमीटोन।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक - 15

द्वितीय प्रश्न पत्र- रागों और तालों का अध्ययन

पूर्णांक – 50

अंक – 35

1. शुद्ध, छायालग और संकीर्ण रागों का ज्ञान।
2. अधोलिखित रागों का आरोह, अवरोह, पकड़, एवं मुख्य स्वर समुदाय तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत तथा तुलनात्मक अध्ययन- भैरव, भूपाली, यमन, दुर्गा ।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
4. आलाप के माध्यम से राग पहचानने तथा रागों में अन्तर स्पष्ट करने की क्षमता।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में ख्यालों को आलाप व तान सहित स्वरलिपि में लिखने का अभ्यास।
6. ध्रुपद एवं धमार को दुगुन, तिगुन व चैगुन सहित स्वरलिपि में लिखना।
7. अधोलिखित तालों एवं उनके ठेकों को दुगुन, तिगुन तथा चैगुन में लिखने का ज्ञान- तीनताल, झपताल।
8. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय तथा उनकी देन-स्वामी हरिदास, सदारंग।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक - 15

क्रियात्मक परीक्षा

पूर्णांक - 50

प्रथम क्रियात्मक परीक्षा-

अंक - 35

1. अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित द्रुत ख्याल- भैरव, भूपाली, यमन, दुर्गा ।
2. पाठ्यक्रम में वर्णित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित गाने का अभ्यास।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
4. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में ध्रुपद लयकारी सहित गाने की क्षमता।
5. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक धमार लयकारी सहित गाने का अभ्यास।
6. किसी राग में भजन गाने का अभ्यास।
7. परीक्षार्थी को अधोलिखित तालों का ज्ञान आवश्यक-तीनताल, झपताल।

द्वितीय क्रियात्मक परीक्षा- मौखिक

अंक - 15

भारतीय संगीत शास्त्र
कंठ संगीत
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
सत्र: 2019-2020 से प्रभावी

प्रथम प्रश्न पत्र- संगीत विज्ञान

पूर्णांक - 50

अंक- 35

1. सम्बनता और विम्बनता।
2. ग्राम, जाति गायन, मूर्च्छना, न्यास, सन्यास, विन्यास, स्वस्थान नियम।
3. संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखने का अभ्यास।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक - 15

द्वितीय प्रश्न पत्र- रागों और तालों का अध्ययन

पूर्णांक - 50

अंक- 35

1. गीत, गान्धर्व, गान देशी तथा मार्गी संगीत का ज्ञान।
2. अधोलिखित रागों के आरोह, अवरोह, पकड़, एवं मुख्य स्वर समुदाय तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत तथा तुलनात्मक अध्ययन- अल्हैया बिलावल, वृन्दावनी सारंग, काफी, बिहाग ।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
4. आलाप के माध्यम से राग पहचानने तथा रागों में अन्तर स्पष्ट करने की क्षमता।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों के ख्यालों को आलाप व तान सहित स्वरलिपि में लिखने का अभ्यास।
6. ध्रुपद एवं धमार को दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित स्वरलिपि में लिखना।
7. अधोलिखित तालों एवं उनके ठेकों को दुगुन, तिगुन तथा चौगुन में लिखने का ज्ञान- चारताल, तिलवाड़ा।

8. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय तथा उनकी देन- अदारंग, पं. विष्णु नारायण
भातखण्डे, अमीर खुसरो।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक - 15

क्रियात्मक परीक्षा

पूर्णांक -50

प्रथम क्रियात्मक परीक्षा-

अंक - 35

1. अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित द्रुत ख्याल- अल्हैया बिलावल, वृन्दावनी सारंग, काफी, बिहाग।
2. पाठ्यक्रम में वर्णित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित गाने का अभ्यास।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
4. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक ध्रुपद लयकारी सहित गाने की क्षमता।
5. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक धमार लयकारी सहित गाने का अभ्यास।
6. किसी राग में एक तराना गाने का अभ्यास।
7. परीक्षार्थी को अधोलिखित तालों का ज्ञान आवश्यक-चारताल, तिलवाड़ा।

द्वितीय क्रियात्मक परीक्षा- मौखिक

अंक - 15

भारतीय संगीत शास्त्र
कंठ संगीत
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सत्र: 2019-2020 से प्रभावी

पूर्णांक -50

प्रथम प्रश्न पत्र- संगीत विज्ञान

अंक- 35

1. भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. प्राचीन तथा मध्यकालीन भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
3. उत्तर भारतीय तथा दक्षिण भारतीय संगीत के स्वरों और तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक- 15

पूर्णांक- 50

द्वितीय प्रश्न पत्र- रागों और तालों का अध्ययन

अंक- 35

1. अधोलिखित विषयों का ज्ञान- निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, रागालाप, रूपकालाप, आलसिगान, अल्पत्व एवं बहुत्व, त्रिवट।
2. राग वर्गीकरण का सविस्तार अध्ययन।
3. अधोलिखित रागों का आरोह, अवरोह, पकड़ एवं मुख्य स्वर समुदायों तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत अध्ययन- देस, भीमपलासी, खमाज, भैरवी ।
4. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
5. आलाप के माध्यम से राग पहचानने तथा रागों में अन्तर स्पष्ट करने की क्षमता।
6. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में आलाप, तान एवं बोलतान सहित ख्यालों को स्वरलिपि में लिखने की योग्यता।
7. ध्रुपद तथा धमार को दुगुन, तिगुन और चैगुन सहित स्वरलिपि में लिखना।
8. अधोलिखित तालों को उनके ठेके सहित दुगुन, तिगुन और चैगुन की लयकारी में लिखने की क्षमता- कहरवा, रूपक।
9. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय तथा उनकी देन- तानसेन, पं.विष्णु दिगम्बर पलुस्कर।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक - 15

क्रियात्मक परीक्षा

पूर्णांक- 50

प्रथम क्रियात्मक परीक्षा-

अंक- 35

1. अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित द्रुत ख्याल- देस, भीमपलासी, खमाज, भैरवी ।
2. पाठ्यक्रम में वर्णित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित गाने का अभ्यास।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
4. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में ध्रुपद, लयकारी सहित।
5. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक धमार, लयकारी सहित।
6. पाठ्यक्रम के किसी राग में भजन गाने का अभ्यास।
7. अधोलिखित तालों का ज्ञान आवश्यक-कहरवा, रूपक।

द्वितीय क्रियात्मक परीक्षा- मौखिक

अंक - 15

भारतीय संगीत शास्त्र
कंठ संगीत
बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र: 2019-2020 से प्रभावी

पूर्णांक -50

प्रथम प्रश्न पत्र- संगीत विज्ञान

अंक- 35

1. हारमनी एवं मैलोडी में अन्तर।
2. संगीत सम्बन्धी विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखने का अभ्यास।
3. ध्रुपद, धमार, ख्याल, टप्पा, ठुमरी गायन शैलियों का विस्तृत अध्ययन।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक- 15

द्वितीय प्रश्न पत्र- रागों और तालों का अध्ययन

पूर्णांक -50

अंक- 35

1. अधोलिखित विषयों का ज्ञान- अर्विभाव-तिरोभाव, आलाप का स्वस्थान नियम, आधुनिक आलाप गायन, तराना, चतुरंग।
2. अधोलिखित रागों का आरोह, अवरोह, पकड़, एवं मुख्य स्वर समुदाय तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत तथा तुलनात्मक अध्ययन- कामोद, विभास, देसकार, बागेश्री।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
4. आलाप के माध्यम से राग पहचानने तथा रागों में अन्तर स्पष्ट करने की क्षमता।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में आलाप, तान एवं बोलतान सहित ख्यालों को स्वरलिपि में लिखने की योग्यता।
6. ध्रुपद एवं धमार को दुगुन, तिगुन व चैगुन सहित स्वरलिपि में लिखना।
7. अधोलिखित तालों एवं उनके ठेकों को दुगुन, तिगुन तथा चैगुन की लयकारी में लिखने की क्षमता- धमार, सूलताल।

8. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय तथा उनकी देन-पं. ओंकारनाथ ठाकुर, भीमसेन जोशी।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक - 15

क्रियात्मक परीक्षा

पूर्णांक- 50

प्रथम क्रियात्मक परीक्षा-

अंक - 35

1. अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित द्रुत ख्याल- कामोद , विभास, देसकार, बागेश्री ।
2. पाठ्यक्रम में वर्णित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित गाने का अभ्यास।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत
4. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में ध्रुपद लयकारी सहित गाने की क्षमता।
5. रागों में से किसी एक राग में एक धमार लयकारी सहित गाने का अभ्यास।
6. पाठ्यक्रम के किसी राग में तराना गाने का अभ्यास।
7. अधोलिखित तालों का ज्ञान आवश्यक-धमार, सूलताल।

द्वितीय क्रियात्मक परीक्षा- मौखिक

अंक- 15

भारतीय संगीत शास्त्र
कंठ संगीत
बी.ए. पंचम सेमेस्टर
सत्र: 2019-2020 से प्रभावी

प्रथम प्रश्न पत्र- संगीत विज्ञान

पूर्णांक -50

अंक- 35

1. आधुनिक भारतीय संगीत का सविस्तार अध्ययन एवं इस काल के संगीत उद्धारकों की देन।
2. संगीत गायन के प्रमुख घरानों का सामान्य अध्ययन।
3. पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति का सामान्य ज्ञान।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक- 15

द्वितीय प्रश्न पत्र- रागों और तालों का अध्ययन

पूर्णांक -50

अंक- 35

द्वितीय प्रश्न पत्र- रागों और तालों का अध्ययन

1. अधोलिखित विषयों का ज्ञान- नायक, गायक, गन्धर्व, पण्डित, संगीत शास्त्रकार।
2. अधोलिखित रागों का आरोह, अवरोह, पकड़, एवं मुख्य स्वर समुदाय तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत अध्ययन- मालकौंस, जैजैवंती, केदार, जौनपुरी।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
4. आलाप के माध्यम से राग पहचानने तथा रागों में अन्तर स्पष्ट करने की क्षमता।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में आलाप, तान एवं बोलतान सहित ख्यालों को स्वरलिपि में लिखने की योग्यता।
6. ध्रुपद एवं धमार को दुगुन, तिगुन व चैगुन सहित स्वरलिपि में लिखना।
7. अधोलिखित तालों एवं उनके ठेकों को दुगुन, तिगुन तथा चैगुन में लिखना- आड़ा चौताल, दीपचंदी।
8. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय तथा उनकी देन-पं.शारंगदेव, आचार्य कैलाश

चन्द्रदेव बृहस्पति।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक- 15

क्रियात्मक परीक्षा

पूर्णांक -50

प्रथम क्रियात्मक परीक्षा-

अंक- 35

1. अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित द्रुत ख्याल- मालकौंस, जैजैवंती, केदार, जौनपुरी।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में एक विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
- 4.. निर्धारित रागों में से किसी एक राग में ध्रुपद लयकारी सहित गाने की क्षमता।
5. रागों में से किसी एक राग में एक धमार लयकारी सहित गाने की योग्यता।
6. निर्धारित रागों में से किसी एक राग में भजन गाने का अभ्यास।
7. अधोलिखित तालों का ज्ञान दुगुन, तिगुन, चैगुन की लयकारियों सहित- आडा चौताल, दीपचन्दी।

द्वितीय क्रियात्मक परीक्षा- मौखिक

अंक- 15

भारतीय संगीत शास्त्र
कंठ संगीत
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर
सत्र: 2019-2020 से प्रभावी

पूर्णांक- 50

प्रथम प्रश्न पत्र- संगीत विज्ञान

अंक- 35

1. पाश्चात्य संगीत सम्बन्धी परिभाषिक शब्दों का ज्ञान-
पाश्चात्य संगीत में टाइम सिग्नेचर (Time Signature), स्केल (Scale), स्वर सप्तक, कार्ड (Chord)।
2. भारतीय संगीत में सांगीतिक और असांगीतिक ध्वनियों एवं प्रतिध्वनि का अध्ययन।
3. संगीत सम्बन्धी विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखने का अभ्यास।
4. प्रबन्ध शैली का विस्तृत परिचय।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक- 15

पूर्णांक -50

द्वितीय प्रश्न पत्र- रागों और तालों का अध्ययन

अंक- 35

1. अधोलिखित विषयों का ज्ञान- संगीत शिक्षक, कव्वाल, वाग्गेयकारं, खमसा, लावनी।
2. अधोलिखित रागों का आरोह, अवरोह, पकड़, एवं मुख्यस्वर समुदाय तथा समस्त विशेषताओं सहित विस्तृत अध्ययन- मियांमल्हार, दरबारी कान्हड़ा, गौड़सारंग, मियां की तोड़ी ।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
4. आलाप के माध्यम से राग पहचानने तथा रागों में अन्तर स्पष्ट करने की क्षमता।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में आलाप, तान एवं बोलतान सहित ख्यालों को स्वरलिपि में लिखने की योग्यता।
6. ध्रुपद एवं धमार को दुगुन, तिगुन व चैगुन सहित स्वरलिपि में लिखना।

7. अधोलिखित तालों एवं उनके ठेकों को दुगुन, तिगुन तथा चौगुन में लिखना- पंजाबी, झूमरा।
8. निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय तथा उनकी देन-उस्ताद अब्दुल करीम खाँ, उस्ताद फैयाज़ खाँ, उस्ताद अमीर खाँ।

आन्तरिक मूल्यांकन

अंक- 15

क्रियात्मक परीक्षा

पूर्णांक- 50

प्रथम क्रियात्मक परीक्षा-

अंक- 35

1. अधोलिखित रागों में पूर्ण गायकी सहित द्रुत ख्याल- मियांमल्हार, दरबारी कान्हड़ा, गौड़सारंग, मियां की तोड़ी।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में एक विलम्बित ख्याल पूर्ण गायकी सहित।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में सरगमगीत तथा लक्षण गीत।
4. निर्धारित रागों में से किसी एक राग में ध्रुपद लयकारी सहित गाने की क्षमता।
5. पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक राग में एक धमार लयकारी सहित गाने की योग्यता।
6. निर्धारित रागों में से किसी एक राग में तराना गाने का अभ्यास।
7. अधोलिखित तालों का ज्ञान दुगुन, तिगुन, चौगुन की लयकारियों सहित-पंजाबी, झूमरा।

द्वितीय क्रियात्मक परीक्षा- मौखिक

अंक- 15